पुणे विश्वविद्यालय, पुणे
द्वितीय वर्ष कला
हिंदी सामान्य- 2
(कहानी, काव्य एवं लेखन)
पाठ्यक्रम
(शैक्षिक वर्ष : 2014-15 से)

(प्रस्तुत पाठ्यक्रम का निर्माण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली की ''मॉडेल पाठ्यचर्या'' के आलोक में किया गया है।)

उद्देश्य :-

1. छात्रों को हिंदी के प्रतिनिधि कहानीकारों एवं कवियों से परिचित कराना।
2. छात्रों को हिंदी कहानी एवं नई कविता की विशेषताओं से परिचित कराना।
3. छात्रों को हिंदी के कार्यालयीन एवं व्यावहारिक पत्रों के स्वरूप का ज्ञान देना।
4. छात्रों को पारिभाषिक शब्द, विज्ञापन, भेंटवार्ता/साक्षात्कार, रिपोर्ट लेखन आदि हिंदी भाषा के व्यावहारिक क्षेत्रों से परिचित कराना।
5. छात्रों को हिंदी शब्द-युग्म का ज्ञान कराना।

अध्यापन पद्धतिः

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण।
2. कहानी समीक्षा के विविध आयाम उद्घाटित करना।
3. पत्रों के नमूनों का छात्रों द्वारा संकलन।
5. वाक्य शुद्धीकरण पर आधारित वस्तुनिष्ठ परीक्षाओं का कक्षा में आयोजन।
6. दृक-श्राव्य माध्यमों/संगणक तथा इंटरनेट आदि का प्रयोग।

प्रथम सत्र

पाठ्यपुस्तकें:

1. **कथा धारा : संपा. डॉ. अनिता नेरे, डॉ. अशोक धुलधुले**
   प्रकाशक : जगत भारती प्रकाशन, सी-3, 77 दूरवाणी नगर,
   एडीए, नैनी, इलाहाबाद- 211 008, मो. 09936079167

2\. **काव्यायन : संपा. डॉ. सुरेश सालुंके, डॉ. सुभाष तळेकर**

प्रकाशक : जगत भारती प्रकाशन, सी–3, 77 दूरवाणी नगर, एडीए, नैनी, इलाहाबाद– 211 008, मो. 09936079167

अध्ययन के लिए केवल निम्नलिखित कहानियाँ–

प्रथम सत्र

1. उसने कहा था – चंद्रधर शर्मा गुलेरी
2. नमक का दारोगा – प्रेमचंद
3. खेल – जैनेंद्र कुमार
4. कर्मफल – यशपाल
5. लाल पान की बेगम – फणीश्वरनाथ रेणु
6. मेहमान – राजेंद्र यादव

अध्ययन के लिए केवल निम्नलिखित कविताएँः

1. जुही की कली – सूर्यकांत त्रिपाठी निराला
2. गाँव के लड़के – सुमित्रानंदन पंत
3. माँझी – हरिवंशराय बच्चन
4. पोस्टर और आदमी – सर्वेश्वरदयाल सक्सेना
5. पेड़ – चंद्रकांत देवताले
6. बाबा ने कहा था – सोहनपाल सुमनाक्षर

पाठ्यपुस्तकेत्तर पाठ्यक्रमः

क. पारिभाषिक शब्द (सूची संलग्न)

ख. विज्ञापन लेखन

ग. वृत्तांत लेखन (समाचार–पत्र एवं दूरदर्शन के लिए)

द्वितीय सत्र

अध्ययन के लिए केवल निम्नलिखित कहानियाँ–

1. घूस एक चिकनाई है – रवींद्र कालिया
2. मीरा नाची – मृदुला गर्ग

3. छप्पन तोले का करधन – उदय प्रकाश
4. झूठी है तेतरी दादी – संजीव
5. सिलिया – सुशीला टाकभौरे
6. बिगड़ैल बच्चे – मनिषा कुलश्रेष्ठ

अध्ययन के लिए केवल निम्नलिखित कविताएँः

1. गाँव पर माँ – रमेश सोनी
2. चुनौती – उषा यादव
3. अतीत नहीं होती नदी – डॉ. दामोदर खडसे
4. दो हाथियों की लड़ाई – उदयप्रकाश
5. बेजगह – अनामिका
6. इस रूट की सभी लाइनें व्यस्त हैं – सुशांत सुप्रिय

पाठ्यपुस्तकेत्तर पाठ्यक्रम

क. साक्षात्कार लेना

ख. शब्द–युग्म (सूची संलग्न)

क. पारिभाषिक शब्दावली

1. बैंक से संबंधित शब्दावली–

1	**Advance**	अग्रिम, पेशगी
2	**Agreement**	करार, अनुबंध
3	**Audit**	लेखा परीक्षा
2	**Budget**	आय–व्ययक, बजट
3	**Currency**	मुद्रा
4	**Deduction**	कटौती, घटाना
5	**Deposit**	जमाराशि, जमा
6	**Expenditure**	व्यय, खर्च
7	**Finance**	वित्त
8	**Increment**	वेतनवृद्धि
9	**Marketing**	विपणन, खरीदारी
10	**Remuneration**	पारिश्रमिक

2. डाक–तार से संबंधित

1	**Acknowledgement (A.D.)**	प्राप्ति, पावती स्वीकृति
2	**Addressee**	पानेवाला, प्रेषिती
3	**Communication**	संचार, संदेश
4	**Director (Post Offices)**	निदेशक ;डाक द्ध
5	**Inspector**	निरीक्षक
6	**Post office**	डाकघर
7	**Postage Stamp**	डाक टिकट
8	**Postal Address**	डाक पता
9	**Recurring Deposit**	आवर्ती जमा
10	**Registered Letter**	पंजीकृत पत्र

3. प्रशासनिक शब्दावली

1	**Ability**	योग्यता
2	**Bonafide**	वास्तविक
3	**Charge**	प्रभार
4	**Demotion**	पदावनति
5	**File**	फाइल, मिसिल
6	**Gradation**	पदक्रम
7	**Implementation**	कार्यान्वयन
8	**Manuscript**	पाँडुलिपि
9	**Minutes**	कार्यवृत्त
10	**Vacancy**	रिक्तस्थान

4. भारतीय संविधान से संबंधीत

1	**Ambassador**	राजदूत
2	**Bureau**	ब्यूरो, कार्यालय, केंद्र
3	**Cabinet**	मंत्रिमंडल
4	**Bureaucracy**	नौकरशाही
5	**Constituency**	निर्वाचन क्षेत्र
6	**Constitution**	संविधान
7	**Elected**	निर्वाचित
8	**Embassy**	राजदूतावास
9	**Gazette**	राजपत्र
10	**Member of Parliament**	सांसद, संसद सदस्य

5. रेल से संबंधित

1	**A.C. Chair Car**	वातानुकुलन कुर्सी यान
2	**Break Journey**	यात्राभंग, विराम
3	**Compartment**	डिब्बा
4	**Expansion of Journey**	यात्रा विस्तारण
5	**Goods Shed**	माल गोदान
6	**Head Light**	अगली बडी बत्ती
7	**Mail Train**	डाक गाडी
8	**Pad Lock**	सामान्य ताला
9	**Return Ticket**	वापसी यात्रा टिकट
10	**Zonal Pass**	क्षेत्रीय पास

ख. शब्द–युग्म (समोच्चरित भिन्नार्थक शब्द)

अ. क्र.	शब्द – अर्थ	शब्द – अर्थ
1.	अन्न – अनाज	अन्य – दूसरा
2.	अश्व – घोड़ा	अश्म – पत्थर
3.	अभय – निर्भय	उभय – दोनों
4.	अलि – भ्रमर/भौंरा	अली – सखी/सहेली
5.	अवधि – समय/काल	अवधी – अवध देश की भाषा
6.	कुल – वंश	कूल – किनारा
7.	कर्ण – कान/एक नाम	करण – एक कारक/इंद्रिय
8.	अनिल – पवन/हवा	अनल – अग्नि
9.	अथक – बिना थके हुए	अकथ – जो कहा नहीं जाए
10.	अनभिज्ञ – अनजान	अभिज्ञ – जाननेवाला
11.	किला – गढ़	कीला – बड़ी कील/काँटा
12.	छत्र – छाता	छात्र – विद्यार्थी

13.	चिर – पुराना	चीर – कपड़ा
14.	जऱा – थोडा़	जरा – बुढा़पा
15.	तरी – नाव	तर – गीलापन
16.	बहु – बहुत	बहू – पुत्रवधू
17.	भवन – महल	भुवन – संसार
18.	मनुज – मनुष्य	मनोज – कामदेव
19.	मणि – रत्न	मणी – सर्प
20.	रंग – वर्ण	रंक – दरिद्र
21.	विधायक – विधान रचने/बनानेवाला	विधेयक – विधान/कानून
22.	सुर – देवता/लय	सूर – अंधा/सूर्य
23.	सर्ग – अध्याय	स्वर्ग – तीसरा लोक
24.	हरि – विष्णु	हरी – हरे रंग की
25.	निसान – झंडा	निशान – चिह्न
26.	पानी – जल	पाणि – हाथ
27.	पवन – वायु	पावन – पवित्र
28.	प्रण – प्रतिज्ञा	प्राण – जान
29.	प्रवाह – बहाव(नदी का)	परवाह – चिंता
30.	बलि – बलिदान	बली – वीर
31.	बात – वचन	वात – हवा
32.	सुचि – पवित्र	सूचि – सुई/सूचना करनेवाला
33.	राज – शासन	राज़ – रहस्य
34.	लक्ष्य – उद्देश्य/निशान	लक्ष – लाख
35.	सदेह – देह के साथ	संदेह – शक
36.	अध्ययन – पढ़ना	अध्यापन – पढ़ाना
37.	दिन – दिवस	दीन – गरीब
38.	परिणाम – फल/नतीजा	परिमाण – मात्रा
39.	प्रणाम – नमस्कार	प्रमाण – सबूत/नाप
40.	आदि – आरंभ/इत्यादि	आदी – अभ्यस्त

41.	इत्र – सुगंधित द्रव्य	इतर – दूसरा
42.	उपकार – भलाई	अपकार – बुराई
43.	कृति – रचना	कृती – निपुण/पुण्यात्मा
44.	कलि – कलियुग	कली – अधखिला फूल
45.	कहा ‘कहना’ क्रिया का भूतकाल	कहाँ – स्थाननिर्देशक अव्यय
46.	काटा – ‘काटना’ क्रिया का भूतकाल	काँटा – नुकीला अंकुर
47.	ग्रह – सूर्य,चंद्र आदि	गृह – घर
48.	जलज – कमल	जलद – बादल
49.	तनु – पुत्र/गाय	तनू – दुबला/पतला
50.	दिवा – दिन	दीवा – दीया/दीपक

हिंदी सामान्य– 2

(कहानी, काव्य एवं लेखन)

प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन

प्रथम सत्र

समय 2 घंटे | पूर्णांक : 60

(सूचना : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।)

प्रश्न 1. कहानी विधा पर प्रश्न (चार में से दो)	14
प्रश्न 2. कविताओं पर प्रश्न (चार में से दो)	14
प्रश्न 3. ससंदर्भ व्याख्या	
अ. कहानी पर (दो में से एक)	07
आ. कविताओं पर (दो में से एक)	07
प्रश्न 4. अ. पारिभाषिक शब्द (आठ में से छह)	06
आ. विज्ञापन लेखन (दो में से एक)	06
इ. वृत्तांत लेखन (दो में से एक)	06

प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन
वार्षिक परीक्षा

समय 3 घंटे — पूर्णांक : 80

(सूचना : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।)

प्रश्न 1. कहानी विधा पर प्रश्न (पाँच में से दो) — 16

(सूचना- दो प्रश्न प्रथम सत्र के पाठ्यक्रम पर आधारित रहेंगे)

प्रश्न 2. कविताओं पर प्रश्न (पाँच में से दो) — 16

(सूचना- दो प्रश्न प्रथम सत्र के पाठ्यक्रम पर आधारित रहेंगे)

प्रश्न 3. ससंदर्भ व्याख्याः

अ. कहानी विधा पर (दो में से एक) — 08

आ. कविताओं पर (दो में से एक) — 08

(प्रस्तुत प्रश्न केवल द्वितीय सत्र के पाठ्यक्रम पर आधारित रहेंगे)

प्रश्न 4. टिप्पणियाँ

अ. कहानी विधा पर (तीन में से एक) — 08

आ. कविताओं पर (तीन में से एक) — 08

(सूचना- अ और आ में से एक-एक टिप्पणी प्रथम सत्र के पाठ्यक्रम पर आधारित रहेगी)

प्रश्न 5. अ. शब्द-युग्म (छह में से चार) — 08

(अर्थ बताकर वाक्य में प्रयोग)

आ. साक्षात्कार लेना (दो में से एक) — 08

संदर्भ ग्रंथ

1. उत्तर शती का हिंदी साहित्य : संपा. डॉ. सुरेशकुमार जैन (अन्नपुर्णा प्रकाशन, इलाहाबाद)
2. भीष्म साहनी के साहित्य का अनुशीलन : संपा. डॉ. सुरेश बाबर (अन्नपुर्णा प्रकाशन, कानपुर)
3. समकालीन हिंदी कहानियों में नारी के विविध रूप : डॉ. घनश्यामदास भुतडा (अतुल प्रकाशन, कानपुर)
4. छायावादोत्तर हिंदी काव्य में बिंबविधानः उषा जैन (विकास प्रकाशन, कानपुर)
5. नागार्जुन - कवि और कथाकार : कवि कथाकार : सत्यनारायण (रचना प्रकाशन, कानपुर)
6. हिंदी के प्रतिनिधि कवि- डॉ. दयानंद शर्मा
7. कहानी नई कहानी - डॉ. नामवर सिंह
8. नई कहानी की भूमिका- कमलेश्वर
9. नई कहानी संदर्भ और प्रकृति- देवीशंकर अवस्थी
10. समकालीन हिंदी कहानी - डॉ. पुष्पपाल सिंह
11. मृदुला गर्ग की कहानियों में नारी के विविध रूप - डॉ. अनिता नेरे, जगत भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
12. अज्ञेय से अरूण कमल तक - डॉ. संतोषकुमार तिवारी
13. नई कविता के प्रमुख हस्ताक्षर - डॉ. संतोषकुमार तिवारी
14. हिंदी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि- द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
15. प्रयोजनमूलक हिंदी : अधुनातन आयाम- डॉ. अंबादास देशमुख
16. व्यावहारिक हिंदी भाग 1 और 2 - डॉ. ओमप्रकाश मित्तल
17. प्रायोगिक व्याकरण एवं पत्र लेखन : डॉ. शिवाकांत गोस्वामी (विद्या प्रकाशन, कानपुर-6)
18. प्रयोजनमूलक हिंदी व्याकरण एवं रचना - प्रा. डॉ. उमा जाधव
19. प्रारूपण, शासकीय पत्राचार और टिप्पण लेखन-विधि : राजेंद्र प्रसाद श्रीवास्तव (सुलभ प्रकाशन, लखनऊ)
20. प्रयोजनमूलक हिंदी व्याकरण : डॉ. द्विजराम यादव (साहित्य रत्नाकर, रामबाग कानपुर)

21. हिंदी और उसका व्यवहार : डॉ. वसंत मोरे (फडके प्रकाशन, कोल्हापुर)
22. व्यावहारिक हिंदी : डॉ. ओम प्रकाश(राजपाल एण्ड सन्ज, दिल्ली)
23. प्रयोजनमूलक हिंदी : डॉ. गोरक्ष थोरात, निराली प्रकाशन, पुणे
24. आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना : डॉ. वासुदेव नंदन प्रसाद

पुणे विश्वविद्यालय, पुणे
द्वितीय वर्ष कला
प्रयोजनमूलक हिंदी
पाठ्यक्रम
(शैक्षिक वर्षः2014-2015 से)

(प्रस्तुत पाठ्यक्रम का निर्माण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली की ''मॉडेल पाठ्यचर्या'' के आलोक में किया गया है।)

उद्देश्य :-

1. छात्रों को प्रयोजनमूलक भाषा रूप की रोचक, रोजगाराभिमुख उपयोगीजानकारी देकर कार्यालयीन तथा अन्य व्यवहार क्षेत्रों में हिंदी भाषा के प्रयोग, व्यवहार हेतु प्रशिक्षित कराना।
2. छात्रों को प्रयोजनमूलक हिंदी की प्रयुक्तियों से परिचित कराना।
3. छात्रों को जनसंचार माध्यमों में प्रयुक्त हिंदी भाषा से परिचित कराना।
4. छात्रों को हिंदी तथा अंग्रेजी प्रशासनिक प्रयुक्तियों, मुहावरों तथा लोकोक्तियों की जानकारी देना।
5. छात्रों में विज्ञापन-कला कौशल को वृद्धिंगत करना।
6. छात्रों को व्यावसायिक एवं बैंकिंग पत्राचार से परिचित कराना।
7. मराठी तथा अन्य भाषाओं के प्रभाव से हिंदी वर्तनी की सामान्य गलतियों से छात्रों को अवगत कराना।
8. छात्रों को पारिभाषिक वाक्यांशों के माध्यम से प्रयोजनमूलक हिंदी से परिचित कराना।
9. छात्रों में राष्ट्र के प्रति प्रेम एवं सामाजिक प्रतिबद्धता की भावना विकसित करना।

अध्यापन पद्धति

1. दृक-श्राव्य माध्यमों/साधनों का प्रयोग।
2. व्याख्यान तथा विश्लेषण।
3. प्रात्यक्षिक, स्वाध्याय व परियोजना।
4. राजभाषा अधिकारियों के अतिथि- व्याख्यान।
5. हिंदी प्रयोजन के मॉडेल्स व उदाहरणों का प्रयोग।
6. अध्ययन यात्रा का आयोजन।
7. दृक-श्राव्य माध्यमों/संगणक तथा इंटरनेट आदि का प्रयोग।

द्वितीय वर्ष कला

प्रयोजन मूलक हिंदी

पाठ्यक्रम

प्रथम सत्र

1. **प्रयोजनमूलक हिंदी** : परिचय, संकल्पना एवं स्वरूप

अ. प्रयोजनमूलक हिंदी : प्रयुक्ति की संकल्पना एवं स्वरूप –

आ. हिंदी भाषा की प्रमुख प्रयुक्तियाँः

1} व्यावसायिक क्षेत्रों में हिंदी प्रयोग

2} दूरसंचार के क्षेत्र में हिंदी प्रयोग

3} रेलवे के क्षेत्र में हिंदी प्रयोग

4} भारतीय जीवन बीमा निगम के क्षेत्र में हिंदी प्रयोग

5} खेल जगत के क्षेत्र में हिंदी प्रयोग

6} भारतीय खाद्य निगम के क्षेत्र में हिंदी प्रयोग

7} तेल क्षेत्र में हिंदी प्रयोग

2. **कार्यालयीन हिंदी लेखन**

अ. टिप्पण लेखन

1. टिप्पण की भाषा
2. टिप्पण के प्रकार

आ. आलेखन

1. आलेखन के गुण

2. आलेखन की भाषा

3. **पारिभाषिक वाक्यांश** : अर्थ एवं स्वरूप,

क. प्रशासनिक प्रयुक्तियाँ (सूची संलग्न)

ख. मुहावरे/लोकोक्तियाँ अंग्रेजी से हिंदी (सूची संलग्न)

4. **पत्र लेखनः**

अ. व्यावसायिक पत्राचार- स्वरूप, महत्व, विशेषताएँ, प्रकार

आ. बैंकिंग पत्राचार- स्वरूप, महत्व, विशेषताएँ, प्रकार

5. **शब्द-युग्म** (सूची संलग्न)

द्वितीय सत्र

1. **जनसंचार माध्यम** : परिचय

अ. जनसंचार माध्यमों की भाषा

1. मुद्रित माध्यमों की भाषा
2. श्रव्य माध्यमों की भाषा
3. दृश्य माध्यमों की भाषा

आ. जनसंचार माध्यमों में भाषा का महत्व

2. **सृजनात्मक तथा मीडिया लेखनः**

अ. मुद्रित माध्यम के लिए-

1. समाचार लेखन के सिद्धांत
2. फीचर लेखन
3. लेख/आलेख लेखन
4. कविता लेखन
5. कहानी लेखन
6. फिल्म लेखन

आ. रेडियो के लिए लेखन-

1. रेडियो वार्ता लेखन

2. रेडियो संवाद लेखन

इ. दूरदर्शन कार्यक्रम स्वरूप, निर्माण व प्रक्रिया–

1. पूर्व निर्माण का सोपान
2. निर्माण के सोपान
3. निर्माणोत्तर के सोपान
4. कंप्यूटर एनीमेशन

3. **विज्ञापन और हिंदी–**

अ. विज्ञापन : अर्थ एवं स्वरूप

आ. विज्ञापन की आवश्कता तथा उद्देश्य

इ. इलैक्ट्रॉनिक माध्यम– रेडियो तथा दूरदर्शन–विज्ञापन का नमूना तैयार करना।

4. **अनुवाद–** अर्थ एवं परिभाषा, अनुवाद के प्रकार, अनुवाद अभ्यास।

क. प्रशासनिक प्रयुक्तियाँ

अ.क्र.	अंग्रेजी वाक्यांश	हिंदी वाक्यांश
1	**Accepted for payment**	भुगतान के लिए स्वीकृति
2	**Action has alredy been taken in the matter**	मामले में कार्रवाई की जा चुकी है।
3	**Application may be rejected**	आवेदन पत्र अस्वीकार कर दिया जाए।
4	**As per details below**	नीचे दिए हुए ब्योरे के अनुसार।
5	**Call for an explanation**	स्पष्टीकरण माँगना।
6	**Carried forward**	आगे बढ़ाना।
7	**Charge handed over**	कार्यभार सौंपना।
8	**Seen ,thanks**	देखा, धन्यवाद।
9	**For information only**	केवल सूचनार्थ।
10	**So far as possible**	यथासंभव।
11	**Kindly acknowledge**	कृपया पावती भेजें।
12	**Needful has been done**	आवश्यक कार्रवाई की जा चुकी है।
13	**The proposal is self-explanatory**	प्रस्ताव स्वतः स्पष्ट है।
14	**No further action is called for**	आगे कोई कार्रवाई अपेक्षित नहीं है।

15	**This may please be treated as urgent**	कृपया इस पर तुरंत कार्रवाई करें।
16	**The papers are sent herewith**	कागज–पत्र इसके साथ प्रेषित हैं।
17	**Seen and returned with thanks**	देखकर सधन्यवाद वापस भेजा जाता है
18	**Delay in returning the title is regretted**	शीर्षक के लौटाने में हुई देरी के लिए खेद है।
19	**The matter is still under consideration**	मामला विचाराधीन है।
20	**No decision has so far been taken in the matter**	इस मामले में अब तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है।
21	**We have no remarks to offer**	हमें कोई टिप्पणी नहीं करनी है।
22	**The proposal is quite in order**	यह प्रस्ताव बिलकुल ठीक है।
23	**Administrative approval may be obtained**	प्रशासनिक अनुमोदन प्राप्त किया जाए।
24	**Please Discuss**	कृपया चर्चा करें।
25	**Issue reminder urgently**	तुरंत अनुस्मारक भेजें।
26	**I agree**	मैं सहमत हूँ।
27	**Draft approved as amended**	मसौदा संशोधित रूप में अनुमोदित किया जाता है।
28	**Please make special note of this decision**	कृपया इस निर्णय को विशेष रूप से नोट कर लीजिए।

29	**we are competent to grant permission**	अनुज्ञा देने के लिए हम सक्षम हैं।
30	**A draft sanction letter is put up for approval**	मंजूरी पत्र का मसौदा अनुमोदन के लिए प्रस्तुत है।
31	**After perusal**	देख लेने के बाद।
32	**As a rule**	नियमानुसार।
33	**Consider it again**	इस पर पुनर्विचार करें।
34	**Decision is awaited**	निर्णय की प्रतीक्षा है।
35	**During this period**	इस अवधि में।
36	**Enquiries made revel**	जाँच से मालूम हुआ है।
37	**For favors of orders**	आदेश देने की कृपा करें।
38	**Further report is awaited**	आगे की रिपोर्ट की प्रतीक्षा है।
39	**It is suggested**	यह सुझाव दिया जाता है।
40	**I have to thank you**	मैं आपको धन्यवाद देता हूँ।
41	**Matter is dropped**	मामले को समाप्त कर दिया गया है।
42	**Mentioned above**	ऊपर कहा गया।
43	**Rules applicable to the case**	इस मामले में लागू नियम।
44	**Submitted for order**	आदेशार्थ प्रस्तुत।
45	**This is certify**	प्रमाणित किया जाता है।

46	**Urgently required**	शीघ्र आवश्यकता है।
47	**Vide endorsement above**	उपर्युक्त पृष्ठांकन के अनुसार।
48	**With regard to**	के बारे में।
49	**With respects**	सादर।
50	**Yours faithfully**	भवदीय।

ख. मुहावरे/लोकोक्तियाँ अंग्रेजी से हिंदी

अ.क्र.	**अंग्रेजी**	**हिंदी**
1	**Born of Contention**	झगडे की जड़
2	**Apple of ones eye**	ऑखों का तारा होना, बहुत प्यारा
3	**Baggers must/should not be choosers**	दान की बछिया के दॉत नहीं गिने जाते
4	**Between the devil and deep sea**	इधर कुआँ उधर खाई
5	**Birds of a feather flock together**	चोर –चोर मौसेरे भाई/चोर का भाई गिरहकट
6	**Brain drain**	प्रतिभा पलायन
7	**Essy come easy go**	सहज पके सो मीठा होय
8	**Empty vassels make much noise**	थोथा चना बाजे घना
9	**Handsome is that handsome does**	अच्छा वही जो अच्छा करें

10	**Hold the candle to the sun**	सूर्य को चिराग दिखाना
11	**Hold your mouth**	मुँह को लगाम दो
12	**Mind one's own business**	अपने काम से काम रखना
13	**Once in a blue moon**	छठे–छमाहे/भूले–भटके
14	**Out of frying pan into the fire**	आसमान से गिरा खजूर में अटका
15	**Pull ones leg**	टाँग खींचना
16	**Throw ones eyes up**	आँखें खुली की खुली रह जाना/पाँव तले की जमीन खिसक जाना
17	**To beat about the bush**	इधर–उधर की हाँकना/घुमा फिराकर बातें करना
18	**To blow hot and cold**	पल में तोला पल में माशा, ढुलमुल जीभ के तले जीभ होना
19	**To clear the air**	गलतफहमी या संदेह दूर करना
20	**To do one's level best**	एड़ी चोटी का जोर लगाना
21	**To freeze out**	हुक्का पानी बंद करना
22	**To lool blank**	बगले झाँकना/भौंचक्का होना
23	**To take the words out of mouth**	मुँह की बात छीनना
24	**To walk on air**	हवाई किले बनाना

25	**Where there is a will there is a way**	जहाँ चाह वहाँ राह
26	**To ask for it**	मुसीबत मोल लेना
27	**Straight forward in dealing**	हाथ का सच्चा
28	**To play with fire**	खतरों से खेलना
29	**Meeting of the eyes**	आँख चार होना
30	**To throw dust in the eyes**	आँखों में धूल झोंकना
31	**To point with a finger**	उंगली दिखाना
32	**With a wet finger**	बाएँ हाथ का खेल
33	**To be surprisingly unaware**	कानों कान खबर न होना
34	**Face turned flue**	चेहरा काला पड़ जाना
35	**Turning the face pale**	चेहरा पीला पड़ना
36	**To put a good face on**	साहस दिखाना
37	**To make a service**	नाक घिंसना
38	**To react sharply**	नाक पर मक्खी न बैठने देना
39	**Put one's nose out of joint**	घमंड चूर कर देना/मन्सूबों पर पानी फेर देना
40	**To be stunned out of wits**	पाँव तले की जमीन खिसकना
41	**A hard worker**	पैरों में छाले पड़ना

42	**To measure another's foot**	अपनी तराजू से दूसरों को तोलना
43	**To have cold feet**	पसीना छूटना
44	**To feel one's feet**	पाँव जम जाना
45	**To turn tails**	पीठ दिखाना
46	**To back out of**	मुकर जाना
47	**To go back from**	वचन तोड़ना
48	**To escape unscratched**	बाल बाँका न होना
49	**To split hairs**	बाल की खाल निकालना/उतारना
50	**Tit for tat**	मुँह तोड़ जवाब देना

ग. शब्द–युग्म (समोच्चरित भिन्नार्थक शब्द)

अ.क्र.	**शब्द – अर्थ**	**शब्द – अर्थ**
1.	अन्न – अनाज	अन्य – दूसरा
2.	अश्व – घोड़ा	अश्म – पत्थर
3.	अन्यान्य – दूसरा	अन्योन्य – परस्पर
4.	अभय – निर्भय	उभय – दोनों
5.	अरि – शत्रु	अरी – संबोधन(स्त्री के लिए)/
6.	अलि – भ्रमर/भौंरा	अली – सखी/सहेली
7.	अवधि – समय/काल	अवधी – अवध देश की भाषा
8.	आरति – विरक्ति/दुःख	आरती – धूप–दीप दिखाना
9.	कुल – वंश	कूल – किनारा
10.	कुजन – दुर्जन	कूजन – पक्षियों की ध्वनि

11.	कर्ण – कान/एक नाम	करण – एक कारक/इंद्रिय
12.	अनिल – पवन/हवा	अनल – अग्नि
13.	अतुल – जिसकी तुलना न हो सके	अतल – गहरा
14.	अगम – दुर्लभ/अगम्य	आगम – प्राप्ति/शास्त्र
15.	अथक – बिना थके हुए	अकथ – जो कहा नहीं जाए
16.	अनभिज्ञ – अनजान	अभिज्ञ – जाननेवाला
17.	उद्धत – उद्दंड	उद्यत – तैयार
18.	कपि – घिरणी/रस्सी लपेटने की गड़ारी	कपी – बंदर
19.	किला – गढ़	कीला – बड़ी कील/काँटा
20.	कटिबंध – कमरबंद/करधनी	कटिबद्ध – तैयार/कमर बाँधे
21.	छत्र – छाता	छात्र – विद्यार्थी
22.	चिर – पुराना	चीर – कपड़ा
23.	ज़रा – थोड़ा	जरा – बुढ़ापा
24.	तरणी – नाव	तरूणी – युवती
25.	तरी – नाव	तर – गीलापन
26.	बहन – बहिण	वहन – ढोना
27.	बहु – बहुत	बहू – पुत्रवधू
28.	भवन – महल	भुवन – संसार
29.	मनुज – मनुष्य	मनोज – कामदेव
30.	मणि – रत्न	मणी – सर्प
31.	रंग – वर्ण	रंक – दरिद्र
32.	विधायक – विधान रचने/बनानेवाला	विधेयक – विधान/कानून
33.	सुर – देवता/लय	सूर – अंधा/सूर्य
34.	सर्ग – अध्याय	स्वर्ग – तीसरा लोक
35.	भारती – सरस्वती/वाणी	भारतीय – भारत का

36.	शशधर – चंद्रमा	शशिधर – महादेव
37.	हरि – विष्णु	हरी – हरे रंग की
38.	नीरज – कमल	नीरद – बादल
39.	निसान – झंडा	निशान – चिह्न
40.	पानी – जल	पाणि – हाथ
41.	पवन – वायु	पावन – पवित्र
42.	प्रण – प्रतिज्ञा	प्राण – जान
43.	प्रवाह – बहाव(नदी का)	परवाह – चिंता
44.	बलि – बलिदान	बली – वीर
45.	बात – वचन	वात – हवा
46.	सुचि – पवित्र	सूचि – सुई/सूचना करनेवाला
47.	राज – शासन	राज़ – रहस्य
48.	लक्ष्य – उद्देश्य/निशान	लक्ष – लाख
49.	वासना – कामना	बासना – सुगंधित करना
50.	सदेह – देह के साथ	संदेह – शक
51.	शील – चरित्र/चाल चलन	सील – मुहर/ठप्पा
52.	अध्ययन – पढ़ना	अध्यापन – पढ़ाना
53.	दिन – दिवस	दीन – गरीब
54.	नियम – कानून	नियति – भाग्य
55.	नहर – सिंचाई के लिए निकाली गई कृत्रिम नदी	नाहर – सिंह
56.	परिणाम – फल/नतीजा	परिमाण – मात्रा
57.	प्रणाम – नमस्कार	प्रमाण – सबूत/नाप
58.	आदि – आरंभ/इत्यादि	आदी – अभ्यस्त
59.	इत्र – सुगंधित द्रव्य	इतर – दूसरा
60.	उपकार – भलाई	अपकार – बुराई
61.	कृति – रचना	कृती – निपुण/पुण्यात्मा
62.	कलि – कलियुग	कली – अधखिला फूल

63.	कहा– 'कहना' क्रिया का भूतकाल	कहाँ – स्थाननिर्देशक अव्यय
64.	काटा – 'काटना' क्रिया का भूतकाल	काँटा – नुकीला अंकुर
65.	कपिश – मटमैला	कपीश – हनुमान/सुग्रीव
66.	लूबा – घर/परिवार	लुवा – खरीदनेवाला
67.	ग्रह – सूर्य,चंद्र आदि	गृह – घर
68.	चिता– शव जलाने के लिए लकड़ियों का ढेर	चीता – बाघ की तरह हिंस्र पशु
69.	जलज – कमल	जलद – बादल
70.	जाया – पत्नी	जाया – व्यर्थ/बरबाद
71.	टुक – थोड़ा	टूक – टुकड़ा
72.	तनु – पुत्र/गाय	तनू – दुबला/पतला
73.	तरंग – लहर	तुरंग – घोड़ा
74.	दिवा – दिन	दीवा – दीया/दीपक
75	दाई – दासी/दात्री	दायी – देनेवाला/जबाबदेह

विषय :– प्रयोजनमूलक हिंदी

प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन

प्रथम सत्र

समय 3 घंटे   पूर्णांक : 60

सूचना : सभी प्रश्नों के लिए समान अंक होंगे ।

प्रश्न 1.	संक्षिप्त उत्तरवाले प्रश्न (10 में से 7)	14
प्रश्न 2.	(अ) पारिभाषिक वाक्यांश (6 में से 4)	08
	(आ) अंग्रेजी मुहावरों के हिंदी पर्याय (6 में से 4)	08
	(इ) शब्द–युग्म (6 में से 4) (अर्थ बताकर वाक्य में प्रयोग)	08
प्रश्न 3.	पत्र लेखन	
	(अ) व्यावसायिक पत्र (2 में से 1)	05
	(आ) बैंकिग पत्र (2 में से 1)	05
प्रश्न 4.	लघूत्तरी प्रश्न (5 में से 3)	12

विषय :– प्रयोजनमूलक हिंदी

प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन

वार्षिक परीक्षा

समय 3 घंटे — पूर्णांक : 80

सूचना : सभी प्रश्नों के लिए समान अंक होंगे ।

प्रश्न 1.	संक्षिप्त उत्तरवाले प्रश्न (08 में से 6)	12
प्रश्न 2.	अ) पारिभाषिक वाक्यांश (6 में से 4)	08
	(आ) अंग्रेजी मुहावरों के हिंदी पर्याय (6 में से 4)	08
	(इ) शब्द–युग्म (6 में से 4) (अर्थ बताकर वाक्य में प्रयोग)	08
प्रश्न 3.	अ) व्यावसायिक पत्र (2 में से 1)	05
	(आ) बैंकिंग पत्र (2 में से 1)	05
	(इ) अनुवाद लेखन (अंग्रेजी अथवा मराठी परिच्छेद का)	06
प्रश्न 4.	लघूत्तरी पश्न (6 में से 4)	16
प्रश्न 5.	टिप्पणियाँ (5 में से 3)	12

संदर्भ सूची –

1. प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत एवं प्रयोग – डॉ. दंगल झाल्टे, वाणी प्रका. नई दिल्ली
2. जनसंचार माध्यमों में हिंदी – चंद्रकुमार, क्लासिकल पब्लि. कंपनी नई दिल्ली
3. दूरसंचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी – डी.डी. ओझा/सत्यप्रकाश ज्ञानगंगा, दिल्ली, प्र. सं. – 2004
4. मीडिया लेखन के सिद्धांत – एन.सी. पंत, तक्षशिला प्रका. नई दिल्ली, प्र.सं. – 2005
5. प्रयोजनमूलक हिंदी के विविध रूप – डॉ. राजेंद्र मिश्र/राकेश शर्मा तक्षशिला प्रका. नई दिल्ली, प्र.सं. – 2005
6. संपादन कला एवं प्रूफ पठन – डॉ. हरिमोहन, तक्षशिला प्रका. नई दिल्ली, द्वि. प्रका. – 2004
7. पत्रकारिता के विविध आयाम – डॉ. राजेंद्र मिश्र/डॉ. देवीसिंह राठौर, तक्षशिला प्रका. नई दिल्ली, प्र.सं.–2003
8. कम्प्यूटर और हिंदी – डॉ. हरिमोहन, तक्षशिला प्रका. नई दिल्ली, पंचम सं. – 2004
9. समाचार, फीचर लेखन एवं संपादन–कला – डॉ. हरिमोहन, तक्षशिला प्रका. नई दिल्ली, तृतीय सं.– 2003
10. प्रशासन में राजभाषा हिंदी – डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया, तक्षशिला प्रका. नई दिल्ली, तृतीय सं.– 2003
11. प्रयोजनमूलक हिंदी : व्याकरण एवं रचना, प्रा.सौ. उमा जाधव, चंद्रलोक प्रका. कानपुर प्र. सं. 2005
15. आधुनिक जन–संचार और हिंदी – डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया, तक्षशिला प्रका. नई दिल्ली, द्वि. सं. – 2003
16. आधुनिक जन–संचार और हिंदी – डॉ. हरिमोहन, तक्षशिला प्रका. नई दिल्ली, द्वि. सं. – 2003
17. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. पुरुषोत्तम वाजपेयी, चंद्रलोक प्रका. कानपुर, प्र.सं. 1998
18. अनुवाद कला – डॉ. एन.ई. विश्वनाथ अय्यर, प्रभात प्रका. कानपुर, प्र.सं.

1998

19. भाषा के विविध रूप और अनुवाद – प्रो. कृष्णकुमार गोस्वामी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, प्र. सं. – 2005
20. प्रयोजनमूलक हिंदी : प्रक्रिया और स्वरूप – डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया, तक्षशिला प्रका. नई दिल्ली,द्वि.सं.– 2005
21. व्यावसायिक क्षेत्रों में हिंदी–प्रयोग – डॉ. एम. पी. शर्मा, शांति प्रकाशन, 1780, सेक्टर– 1, दिल्ली बाई–पास, रोहतक, हरियाणा– 124 001 प्र. सं. 2008
22. प्रयोजनमूलक हिंदी : डॉ. गोरक्ष थोरात, निराली प्रकाशन, पुणे
23. प्रयोजनमूलक हिंदी तथा मीडिया लेखन – संपा. प्राचार्य डॉ. बापूराव देसाई, विकास प्रकाशन, 110/138 मिश्रा पॅलेश, जवाहर नगर, कानपुर–208012
24. अनुवाद प्रक्रिया और स्वरूप – कैलाशचंद्र भाटिया, तक्षशिला प्रका.नई दिल्ली
25. राजभाषा हिंदी का प्रयुक्तिपरक विश्लेषण – डॉ. सुषमा कोंडे, शैलजा प्रकाशन, कानपुर
26. प्रयोजनमूलक हिंदी और पत्रकारिता – डॉ. दिनेश प्रसाद सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
27. प्रशासनिक हिंदी – डॉ. हरिमोहन, तक्षशिला प्रका. नई दिल्ली
28. मीडिया प्रोडक्शन – ऋतु गोठी, लक्ष्य प्रकाशन, नई दिल्ली

पुणे विश्वविद्यालय, पुणे

द्वितीय वर्ष कला

हिंदी विशेष – 1

(हिंदी भाषा का विकास)

पाठ्यक्रम

(शैक्षिक वर्ष : 2014–15 से)

(प्रस्तुत पाठ्यक्रम का निर्माण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली की ‘‘मॉडेल पाठ्यचर्या’’ के आलोक में किया गया है।)

उद्देश्यः–

1. छात्रों को भाषा की परिभाषा, विशेषताएँ तथा भाषा के विविध रूपों की जानकारी देना।
2. छात्रों को हिंदी की बोलियों तथा भाषा विकास के प्रमुख वादों से परिचित कराना।
3. छात्रों को राजभाषा हिंदी के संवैधानिक स्वरूप तथा राष्ट्रभाषा का प्रचार करनेवाली संस्थाओं से परिचित कराना।
4. छात्रों में भाषा के वैज्ञानिक अध्ययन की दृष्टि निर्माण करना।
4. भाषाविज्ञान के अंगों तथा भाषाविज्ञान की शाखाओं का परिचय कराना।
6. भाषाविज्ञान का अन्य विज्ञानों से संबंध विशद करना।
7. लिपि के स्वरूप एवं उत्पत्ति का इतिहास, देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता की जानकारी देना।

अध्यापन पद्धति :–

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण।
2. प्रथम सत्र में स्वाध्याय लेखन लेना।
3. द्वितीय सत्र में आलेख लेखन तथा मौखिकी का आयोजन।
4. हिंदी की बोलियों का भौगोलिक रेखांकन एवं आलेख तैयार करना।
5. दृक–श्राव्य माध्यमों/संगणक तथा इंटरनेट आदि साधनों का प्रयोग।
6. भाषा के वैज्ञानिक अध्ययन के लिए प्रात्यक्षिकों की सहायता।
7. भाषा प्रयोगशाला में प्रयोग।
8. अतिथियों के व्याख्यान, संगोष्ठी तथा समूह चर्चा का आयोजन।
9. शैक्षिक अध्ययन यात्रा का आयोजन।

पाठ्यक्रम

प्रथम सत्र

1. **भाषा की परिभाषाएँ,** भाषा का स्वरूप, भाषा की विशेषताएँ। भाषा के विविध रूप – बोली, भाषा, परिनिष्ठित भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, संपर्क भाषा, संचार भाषा, अंतर्राष्ट्रीय भाषा आदि का सामान्य परिचय।

2. **हिंदी भाषा की उत्पत्ति और विकास का सामान्य परिचय–**
हिंदी बोली वर्ग– राजस्थानी, पश्चिमी, पूर्वी, बिहारी, पहाड़ी का सामान्य परिचय, हिंदी की उपबोलियों का सामान्य परिचय (भौगोलिक क्षेत्र, साहित्य, विशेषताएँ आदि की जानकारी अपेक्षित।)

3. **हिंदी का शब्द भंडार** – उद्‌गम के आधार पर हिंदी के तत्सम, तद्‌भव, देशज, विदेशी आगत शब्दों का परिचय।

4. **लिपिविज्ञान** – नागरी लिपि का परिचय, वैज्ञानिक लिपि के रूप में नागरी लिपि की विशेषताएँ, नागरी लिपि में सुधार की आवश्यकता।

5. **हिंदी वर्तनी और मानकीकरण–** मानक हिंदी : स्वरूप और विशेषताएँ सामान्य परिचय। हिंदी में लिपि चिह्न, हिंदी वर्तनी के महत्वपूर्ण नियम, वर्तनी की विशेष अशुद्‌धियाँ और उनके निदान (जैसे– ण और न की अशुद्‌धियाँ, श, ष और स की अशुद्‌धियाँ, वर्ण, प्रत्यय, लिंग, संधि, समास, हलंत् संबंधी अशुद्‌धियाँ, चंद्रबिंदु और अनुस्वार संबंधी अशुद्‌धियाँ), हिंदी में विराम चिह्नों के प्रयोग और नियम (पूर्ण विराम, अल्प विराम, योजक चिह्न, प्रश्नवाचक चिह्न, विस्मयादिबोधक चिह्न, उद्‌धरण चिह्न आदि।)

द्वितीय सत्र

1. **भाषा विज्ञान –** भाषाविज्ञान की परिभाषा, भाषाविज्ञान के अंगः– ध्वनि विज्ञान, पदविज्ञान, वाक्य विज्ञान, अर्थ विज्ञान, भाषाविज्ञान की शाखाएँः– वर्णनात्मक भाषाविज्ञान, ऐतिहासिक भाषाविज्ञान, तुलनात्मक भाषाविज्ञान।
2. ध**्वनिविज्ञान** – ध्वनिविज्ञान का परिचय, ध्वनियंत्र और उनकी कार्यप्रणालियाँ, ध्वनियों के भेद– स्वर और व्यंजन, स्वरों का वर्गीकरण, व्यंजनों का वर्गीकरण (स्थान और प्रयत्न के आधार पर)
3. **पद विज्ञान** – पद की परिभाषा, शब्द और पद, संबंध तत्व, संबंध तत्वों के प्रकार (शब्द स्थान, शून्य संबंध तत्व, स्वतंत्र शब्द, ध्वनि प्रतिस्थापन, प्रत्यय आदि हिंदी में प्रयुक्त होने वाले संबंध तत्वों के प्रकार)
4. **वाक्यविज्ञान** – वाक्य की परिभाषा, वाक्य की आवश्यकताएॅ, वाक्य के भेद (रचना के आधार पर, अर्थ के आधार पर, क्रिया के आधार पर)
5. **अर्थविज्ञान** – अर्थ की परिभाषा, अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ, अर्थ परिवर्तन के कारण।
6. **राजभाषा और राष्ट्रभाषा हिंदीः**

   अ. राजभाषा के रूप में हिंदी का विकास (राजभाषा अधिनियम 1963 (संशोधित) तथा अधिनियम 1976 का सामान्य परिचय।

   आ. राष्ट्रभाषा हिंदी का प्रसार करनेवाली संस्थाओं का सामान्य परिचय –

   1. काशी नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
   2. हिंदी साहित्य संमेलन, प्रयाग
   3. दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, मद्रास (चेन्नई.)
   4. राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा
   5. महाराष्ट्र राष्ट्रभाषा सभा, पुणे

हिंदी विशेष – 1

(हिंदी भाषा का विकास)

प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन

प्रथम सत्र परीक्षा

समय : 2 घंटे पूर्णांक : 60

(सूचना : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।)

प्रश्न 1. संक्षिप्त उत्तरवाले प्रश्न (आठ में से पाँच)	10
प्रश्न 2. टिप्पणियाँ ((चार में से दो)	08
प्रश्न 3. लघूत्तरी प्रश्न (पाँच में से तीन)	18
प्रश्न 4. दीर्घोत्तरी प्रश्न (चार में से दो)	24
	कुल अंक 60

वार्षिक परीक्षा

समय 3 घंटे पूर्णांक 80

(सूचना : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।)

प्रश्न 1. अ. एक-एक वाक्य में उत्तरवाले प्रश्न (आठ में से छह)	06
(प्रथम सत्र पर चार/द्‌वितीय सत्र पर चार प्रश्न)	
आ. संक्षिप्त उत्तरवाले प्रश्न (सात में से पाँच)	10
(प्रथम सत्र पर तीन/द्‌वितीय सत्र पर चार प्रश्न)	
प्रश्न 2. टिप्पणियाँ (तीन में से दो) (द्‌वितीय सत्र पर)	10
प्रश्न 3. लघूत्तरी प्रश्न (पाँच में से तीन)	18
(प्रथम सत्र पर दो प्रश्न/द्‌वितीय सत्र पर तीन प्रश्न)	
प्रश्न 4. दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो में से एक) (केवल प्रथम सत्र पर)	12
प्रश्न 5. दीर्घोत्तरी प्रश्न (चार में से दो)	24
(केवल द्‌वितीय सत्र पर)	
	कुल अंक 80

संदर्भ ग्रंथ :-

1. भाषाविज्ञान की भूमिका - डॉ. देवेंद्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
2. भाषा-विज्ञान - डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद
3. भाषाविज्ञान - डॉ. शिवबालक द्विवेदी, प्रो. अवधकुमार चतुर्वेदी
4. भाषाविज्ञान और भाषा शास्त्र - डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
5. हिंदी भाषा का इतिहास - डॉ. भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. अभिनव भाषाविज्ञान - डॉ. ओमप्रकाश शर्मा, निराली प्रकाशन, पुणे
7. रजत जयंती ग्रंथ - संपादक, राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा
8. भाषा-दक्षता-4 डॉ. पूरनचंद टंडन, किताबघर प्रकाशन, अंसारी रोड, नई दिल्ली
9. हिंदी भाषा का स्वरूप विकास- डॉ. जगत पाल शर्मा, वाणी प्रकाशन, 4695, 21-ए, दरियागंज, नई दिल्ली 110 002
10. व्यवहारोपयोगी एवं कामकाजी हिंदी - प्रा. अनंत केदारे, साहित्यायन प्रका. कानपुर
11. हिंदी की आत्मा - डॉ. धर्मवीर, समता पगकाशन, शाहदरा, दिल्ली, 110032
12. हिंदी विज्ञान - डॉ. राजमल बोरा, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, नई दिल्ली
13. संस्कृति, भाषा और साहित्य - डॉ. प्रभाकरन हेब्बार इल्लत, जवाहर पुस्तकालय, मथुरा
14. राष्ट्रीय एकता और हिंदी - विष्णु प्रभाकर, किताबघर प्रकाशन, अंसारी रोड, नई दिल्ली
15. हिंदी भाषा : कल और आज - डॉ. पूरनचंद टंडन, किताबघर प्रकाशन, अंसारी रोड, नई दिल्ली
16. हिंदी राष्ट्रभाषा : राजभाषा : जनभाषा - डॉ. शंकर दयाल सिंह, किताबघर प्रकाशन, अंसारी रोड, नई दिल्ली
17. हिंदी भाषा चिंतन - डॉ. दिलीप सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
18. भाषा का संसार - डॉ. दिलीप सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
19. हिंदी भाषा - डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताबघर प्रकाशन, अंसारी रोड, नई दिल्ली
20. हिंदी की वर्तनी और शब्द-प्रयोग मीमांसा - किशोरीदास वाजपेयी, वाणी

प्रकाशन, नई दिल्ली
21. हिंदी भाषा की शब्द–संरचना – डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताबघर प्रकाशन, अंसारी रोड, नई दिल्ली
22. हिंदी भाषा की वाक्य–संरचना – डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताबघर प्रकाशन, अंसारी रोड, नई दिल्ली
23. भारतीय अस्मिता और हिंदी – शंभुनाथ, किताबघर प्रकाशन, अंसारी रोड, नई दिल्ली
24. हिंदी भाषा : अतीत से आज तक – विजय अग्रवाल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
25. हिंदी की प्रकृति और शुद्ध प्रयोग – ब्रजमोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
26. राजभाषा हिंदी – कैलाशचंद्र भाटिया, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
27. हिंदी भाषा की रूप–संरचना – डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताबघर प्रकाशन, अंसारी रोड, नई दिल्ली
28. हिंदी रूप रचना – संपा. आचार्य जयेंद्र त्रिवेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
29. आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना – डॉ. वासुदेवनंदन प्रसाद, भारती भवन, पटना
30. भाषाविज्ञान के अधुनातन आयाम एवं हिंदी भाषा – डॉ. अंबादास देशमुख, शैलजा प्रकाशन, कानपुर
31. संधि–कोश – ओमप्रकाश कौशिक, सूर्य भारती प्रकाशन, नई सड़क, दिल्ली
32. हिंदी भाषा : विकास और स्वरूप – डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया, ग्रंथ अकादमी, नई दिल्ली
33. भाषा और भाषा विज्ञान – डॉ. तेजपाल चौधरी, विकास प्रकाशन, कानपुर
34. हिंदी भाषा, लिपि व साहित्य – डॉ. बलभीमराज गोरे, विकास प्रकाशन, कानपुर

———————————————————

पुणे विश्वविद्यालय, पुणे

द्वितीय वर्ष कला

हिंदी विशेष – 2

(उपन्यास, नाटक तथा मध्ययुगीन हिंदी काव्य)

पाठ्यक्रम

(शैक्षिक वर्ष : 2014–15 से)

(प्रस्तुत पाठ्यक्रम का निर्माण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली की ''मॉडेल पाठ्यचर्या'' के आलोक में किया गया है।)

उद्देश्यः–

1. हिंदी उपन्यास एवं नाटक के विविध मानदंडों के आधार पर छात्रों में समीक्षण की क्षमता निर्माण करना।
2. छात्रों की हिंदी उपन्यास एवं नाटक के आस्वादन की क्षमता विकसित करना।
3. मध्ययुगीन संत एवं भक्तों के काव्य से छात्रों को परिचित कराना।
4. मध्ययुग के प्रतिनिधि कवियों के योगदान के विविध आयामों से छात्रों को परिचित कराना।
5. साहित्य कृतियों के माध्यम से साहित्य के शिल्प एवं सौंदर्य से परिचित कराना।

अध्यापन पद्धतिः

1. व्याख्यान तथा विश्लेषण।
2. प्रथम सत्र में स्वाध्याय लेखन लेना।
3. द्वितीय सत्र में आलेख लेखन तथा मौखिकी का आयोजन।
4. नाटक का छात्रों द्वारा मंचन
5. छात्रों द्वारा काव्यपाठ
6. समूह चर्चा
7. दृक–श्राव्य माध्यमों/संगणक तथा इंटरनेट का प्रयोग
8. शैक्षिक अध्ययन यात्रा का आयोजन

———————

पाठ्यक्रम

प्रथम सत्र

पाठ्यपुस्तकें :

1. **उपन्यास : समुद्र में खोया हुआ आदमी – कमलेश्वर**
   प्रकाशक : लोकभारती प्रकाशन, 15–ए, महात्मा गांधी मार्ग, इलाहाबाद–1
2. **मध्ययुगीन हिंदी काव्य :–**
   संपादक : डॉ. राजेंद्र खैरनार, डॉ. विट्ठलसिंग ढाकरे
   प्रकाशक : दिव्य डिस्ट्रीब्यूटर्स, 125/78, एल, गोविंद नगर,
   कानपुर– 208006, मूल्य– 60/– मो. 09451424548

केवल निम्नलिखित कवि –

1. कबीर – 20 दोहे
2. सूरदास – अ. वात्सल्य रस के पद – 05
   आ. शृंगार रस के पद – 05

द्वितीय सत्र

पाठ्यपुस्तकें :

1. **नाटक : युगे युगे क्रांति–** विष्णु प्रभाकर
   प्रकाशक : राजपाल ॲण्ड सन्ज, कश्मीरी गेट, दिल्ली– 6
2. **मध्ययुगीन हिंदी काव्य –**
   संपादक : डॉ. राजेंद्र खैरनार, डॉ. विट्ठलसिंग ढाकरे
   प्रकाशक : दिव्य डिस्ट्रीब्यूटर्स, 125/78, एल, गोविंद नगर,
   कानपुर– 208006, मूल्य– 60/– मो. 09451424548

(मध्ययुगीन हिंदी काव्य में से केवल रहीम तथा बिहारी)

1. रहीम : 20 दोहे
2. बिहारी : 20 दोहे

हिंदी विशेष – 2

(उपन्यास, नाटक तथा मध्ययुगीन हिंदी काव्य)

प्रश्न पत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

प्रथम सत्र

समय : 2 घंटे पूर्णांक : 60

(सूचना : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।)

प्रश्न 1. संक्षिप्त उत्तरवाले प्रश्न (छह में से चार) 08

(तीन उपन्यास पर और तीन मध्ययुगीन हिंदी काव्य पर)

प्रश्न 2. ससंदर्भ व्याख्या

अ) उपन्यास पर – (दो में से एक) 05

आ) मध्ययुगीन हिंदी काव्य पर – (दो में से एक) 05

प्रश्न 3. लघूत्तरी प्रश्न – (पाँच में से तीन) 18

(दो उपन्यास पर/तीन मध्ययुगीन हिंदी काव्य पर)

प्रश्न 4. दीर्घोत्तरी प्रश्न

अ) उपन्यास पर (दो में से एक) 12

आ) मध्ययुगीन हिंदी काव्य पर (दो में से एक) 12

प्रश्न पत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

वार्षिक परीक्षा

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

(सूचना : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।)

प्रश्न 1. अ. एक-एक वाक्य में उत्तरवाले प्रश्न (आठ में से छह) 06

(नाटक पर दो, उपन्यास पर दो और कबीर, सूरदास, रहीम तथा बिहारी पर प्रत्येकी एक प्रश्न)

आ. संक्षिप्त उत्तरवाले प्रश्न (आठ में से पाँच) 10

(नाटक पर दो, उपन्यास पर दो और कबीर, सूरदास, रहीम तथा बिहारी पर प्रत्येकी एक प्रश्न)

प्रश्न 2. ससंदर्भ व्याख्या

अ. नाटक पर - (दो में से एक) 05

आ. मध्ययुगीन हिंदी काव्य पर- रहीम और बिहारी 05
(दो में से एक)

प्रश्न 3. लघूत्तरी प्रश्न - (छह में से तीन) 18

(नाटक और उपन्यास पर प्रत्येकी एक और कबीर, सूरदास,रहीम तथा बिहारी पर प्रत्येकी एक प्रश्न)

प्रश्न 4. दीर्घोत्तरी प्रश्न (उपन्यास पर दो में से एक) 12

प्रश्न 5. दीर्घोत्तरी प्रश्न (चार में से दो) 24

(नाटक पर दो और रहीम तथा बिहारी पर प्रत्येकी एक प्रश्न)

संदर्भ ग्रंथः-

1. भक्ति आंदोलन और सूरदास काव्य - डॉ. मैनेजर पांडेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. भक्ति, दर्शन और साहित्य - उमेश शर्मा, रचना प्रकाशन, मथुरा
3. मध्यकालीन लोकचेतना - संपा. डॉ. रवि कुमार अनु, संजय प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली
4. दर्शन, साहित्य और समाज - शिवकुमार शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. कबीर ग्रंथावली - संपा. श्यामसुंदर दास, चंद्रलोक प्रकाशन, कानपुर
6. कबीर के आलोचक - डॉ. धर्मवीर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
7. कबीर - डॉ. हजारीप्रसाद दृविवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
8. कबीर सौंदर्यभावना - डॉ. ब्रजभूषण शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
9. भ्रमरगीत सार-बोध और व्याख्या - पूर्णमासी राय, निर्मल पब्लिकेशन, दिल्ली- 94
10. सूरदास - आचार्य रामचंद्र शुक्ल, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
11. सूरसागर सार सटीक - संपा. डॉ. धीरेंद्र वर्मा, साहित्य भवन प्रा. लि. , इलाहाबाद
12. सूरसागर (भाग 1 और 2)- संपा. डॉ. हरदेव बाहरी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद-1
13. रहीम ग्रंथावली - डॉ. विद्यानिवास मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
14. रहीम ग्रंथावली - देशराज सिंह भाटी, अशोक प्रकाशन, नई दिल्ली
15. बिहारी रत्नाकर - संपा. जगन्नाथदास रत्नाकर, तारा बुक एजेन्सी, वाराणसी
16. बिहारी रत्नाकर - संपा. जगन्नाथदास रत्नाकर, समग्र विकास प्रकाशन, इलाहाबाद
17. षट्कवि : विवेचनात्मक अध्ययन - डॉ. ओमप्रकाश शर्मा, निराली प्रकाशन, पुणे
18. आधुनिक परिप्रेक्ष्य में हिंदी साहित्य -डॉ. राजेंद्र खैरनार, दिव्य डिस्ट्रीब्यटर्स, कानपुर
19. साहित्यिक विधाएँ - डॉ. मधु धवन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
20. हिंदी नाटक में आधुनिक प्रवृत्तियाँ - डॉ. दमयंती श्रीवास्तव, राका प्रकाशन, इलाहाबाद
21. हिंदी नाटक - बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
22. हिंदी नाटकः सिद्धांत और विवेचन- डॉ. गिरिश रस्तोगी, ग्रंथम प्रकाशन, कानपुर
23. नाट्यालेख - डॉ. तुकाराम पाटील, हृषिकेश प्रकाशन, पुणे
24. स्वांतयोत्तर हिंदी रंगमंच - डॉ. ओमप्रकाश शर्मा, अतुल प्रकाशन, कानपुर
25. हिंदी नाटक - परमेश्वरी शर्मा, संजय प्रकाशन, नई दिल्ली
26. समकालीन हिंदी नाटक और रंगमंच-डॉ. नरेंद्र मोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
27. आधुनिक हिंदी उपन्यास (भाग - 1) - संपा. डॉ. भीष्म साहनी, राजकमल

प्रकाशन, नई दिल्ली

28. आधुनिक हिंदी उपन्यास (भाग – 2) – संपा. डॉ. नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

29. उपन्यास का काव्यशास्त्र – बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

30. हिंदी उपन्यासः समकालीन विमर्श–डॉ. सत्यदेव त्रिपाठी, अमन प्रकाशन, कानपुर